अखिल भारतीय श्री जैन रत्न आध्यात्मिक शिक्षण बोर्ड, जोधपुर

कक्षा : प्रथम – जैन धर्म परिचय (परीक्षा 12 जुलाई, 2015)

समय : 3 घण्टे अंक : 100

रोल नं.: (अंकों में) .....

(शब्दों में) .....

परीक्षा केन्द्र की कोड संख्या :

केन्द्राधीक्षक/निरीक्षक के हस्ताक्षर

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश–

1. सभी प्रश्नों के उत्तर इसी पत्रक में प्रश्न के नीचे/सामने छोड़े गये रिक्त स्थान में ही लिखें।
2. काली अथवा नीली स्याही का प्रयोग करें, लाल स्याही का नहीं।
3. उत्तीर्ण होने के लिए कम से कम 50 प्रतिशत अंक पाना अनिवार्य है अन्यथा अनुत्तीर्ण माना जाएगा।
4. किसी भी प्रकार की नकल नहीं करें एवं किसी से बातचीत का भी प्रयास नहीं करें। इसके अंक काटे जा सकते हैं अथवा परीक्षा निरस्त की जा सकती है।
5. अधीक्षक, पर्यवेक्षक एवं वीक्षक के निर्देशों का पालन करें।
6. कहीं पर भी अपना नाम अथवा केन्द्र का नाम नहीं लिखें।

जाँचकर्त्ता के प्रयोग हेतु–

प्रश्न क्र.	1	2	3	4	5	6	कुल योग
प्राप्तांक							
पूर्णांक	10	10	10	10	24	36	100
पुनः जाँच							

जाँचकर्त्ता के हस्ताक्षर

प्र.1 निम्नलिखित प्रश्नों में से सही उत्तर का क्रमाक्षर कोष्ठक में लिखिए :- **10x1 = (10)**

(a) संसार से तिरने के साधन को कहते हैं -

(क) तीर्थ (ख) धन

(ग) नाव (घ) मोक्ष ( )

(b) किसी शब्द में जिस अक्षर पर अनुस्वार (.) है, उसके बाद वाला अक्षर स' होने पर अनुस्वार (.) का उच्चारण होगा -

(क) ञ् (ख) न्

(ग) म् (घ) ण् ( )

(c दीर्घ स्वर की मात्रा का शब्द है -

(क) ऊँट (ख) इक्षु

(ग) कल्प (घ) किला ( )

(d) सामायिक लेने का पाठ है -

(क) एयस्स नवमस्स (ख) लोगस्स

(ग) इच्छाकारेणं (घ) करेमि भंते ( )

(e) जैन धर्म है -

(क) आर्थिक (ख) आत्मिक

(ग) भौतिक (घ) सांसारिक ( )

(f) आठवाँ बोल है -

(क) कर्म-8 (ख) प्राण-10

(ग) योग-15 (घ) उपयोग-12 ( )

(g) स्पर्शनेन्द्रिय के विषय हैं -

(क) 8 (ख) 60

(ग) 12 (घ) 96 ( )

(h) भगवान महावीर का दूसरा नाम है -

(क) गौतम (ख) श्रीधर

(ग) सिद्धार्थ (घ) वर्द्धमान ( )

(i) 'नवकार मंत्र है ..... '' प्रार्थना के रचयिता हैं-

(क) श्री अशोक मुनिजी (ख) श्री गौतम मुनिजी

(ग) श्री दर्शन मुनिजी (घ) श्री ज्ञान मुनिजी ( )

(j) पाठ्यपुस्तक में विनय के भेद किस सूत्र के आधार से बतलाये हैं -

(क) दशवैकालिक सूत्र (ख) उत्तराध्ययन सूत्र

(ग) भगवती सूत्र (घ) नन्दी सूत्र ( )

प्र.2 निम्न प्रश्नों के उत्तर 'हाँ' अथवा 'नहीं' में दीजिए :- **10x1 = (10)**

(a) "जिन भगवान" स्तुति करने से प्रसन्न होते हैं। ( )

(b) महाव्रत का पालन करना ही 'चारित्र' है। ( )

(c) प्राकृत भाषा में 'त्र ' अक्षर होता है। ( )

(d) दीर्घ मात्रा वाले अक्षरों का उच्चारण जोर देकर किया जाता है। ( )

(e) 'ईशान कोण' पूर्व-पश्चिम दिशा के बीच में होता है। ( )

(f) असाधु को साधु श्रद्धे तो मिथ्यात्व। ( )

(g) भाषा पर्याप्ति छठी पर्याप्ति है। ( )

(h) भगवान महावीर ने 28 वर्ष की उम्र में दीक्षा ली। ( )

(i) विनय एक आभ्यन्तर तप है। ( )

(j) मांस-भक्षण से दयाधर्म का नाश होता है। ( )

प्र.3 मुझे पहचानो :- **10x1 = (10)**

(a) मैं राग-द्वेष को जीतने की क्षमता का विकास करने की क्रिया हूँ। .....

(b) मैं सामायिक का समापन सूत्र हूँ। .....

(c) मेरा दूसरा नाम साधु धर्म है। .....

(d) मुझमें परमात्मा बनने की शक्ति विद्यमान है। .....

(e) मैं वचन का दूसरा दोष हूँ। .....

(f) मैं पच्चीस बोल का छठा बोल हूँ। .....

(g) मैं पाँचवा गुणस्थान हूँ। .....

(h) मैंने हर प्राणी की पीड़ सुनी। .....

(i) मैं मानव को मदहोश कर देती हूँ। .....

(j) मैं पन्द्रहवाँ तीर्थकर हूँ .....

प्र.4 प्रश्न एवं उत्तर दोनों क्रम से नहीं दिये हुए हैं, आप उत्तर की जोड़ी मिलाकर सही उत्तर रिक्त स्थान में लिखिए : - **10x1 = (10)**

(a)	धर्म ध्यान	-	सावद्य' योग	.....
(b)	जंभाइएणं	-	पर्याप्ति	.....
(c)	श्रतु ज्ञान	-	कर्म	.....
(d)	पापकारी कार्य	-	वद्धमाणं	.....
(e)	10 भेद	-	योग	.....
(f)	लोगुत्तमाणं	-	शुक्ल ध्यान	.....
(g)	शरीर	-	आलोचना सूत्र	.....
(h)	सुपासं	-	बोहयाणं	.....
(i)	वैक्रिय मिश्र	-	मिथ्यात्व	.....
(j)	मोहनीय	-	उपयोग	.....

प्र.5 निम्न प्रश्नों के उत्तर एक-दो पंक्तियों में लिखिए **12x2 = (24)**

(a) **गुरु किसे कहते हैं?**

.....

.....

(b) **आन्तरिक शत्रु किसे कहा गया है?**

.....

.....

(c) **मन के प्रथम चार दोषों के नाम लिखिए।**

.....

.....

(d) **ज्ञान किसे कहते हैं?**

.....

.....

(e) **एयस्स नवमस्स के पाठ में बोले जाने वाली चार संज्ञाओं के नाम लिखिए।**

.....

.....

(f) **दर्शन के चार उपयोग लिखिए।**

.....

.....

(g) **छह काय के नाम लिखिए।**

.....

.....

(h) **अंजलीकरण का क्या अर्थ है?**

.....

.....

(i) **4, 9, 16, 21 वें तीर्थकर के नाम लिखिए।**

.....

.....

(j) **जुआ का अर्थ लिखिए।**

.....

.....

(k) **विनयशीलता के कोई दो लक्षण लिखिए।**

.....

.....

(l) **भगवान महावीर को केवल ज्ञान की प्राप्ति कब व किस आसन में हुई?**

.....

.....

प्र.6 निम्न प्रश्नों के उत्तर दो-तीन वाक्यों में लिखिए : - **12x3=(36)**

(a) **विहरमान किसे कहते हैं तथा ये वर्तमान में कितने हैं?**

.....

.....

.....

.....

(b **हमारे गुरु की प्रमुख विशेषताएँ पाठ्य पुस्तक के आधार पर लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(c) **अरिहंत व सिद्ध में क्या भेद हैं?**

.....

.....

.....

.....

(d) **सामायिक लेने की विधि के पाठों को क्रम से लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(e) **प्राण के दस भेदों के नाम क्रम से लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(f) **शरीर कितने होते हैं? नाम भी लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(g) **भगवान महावीर के कोई 12 अभिग्रह लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(h) **भगवान महावीर की जीवनी से मिलने वाली कोई 3 शिक्षाएँ लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(i) **''अन्नत्थ ..... सुहुमेहिं दिट्ठिसंचालेहिं।'' रिक्त स्थान को पूर्ण करके लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(j) **उवज्झायाणं ..... बीमारी है।'' रिक्त स्थान को पूर्ण करके लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(k) **हो लाख .....स्वामी की। '' रिक्त स्थान को पूर्ण करके लिखिए।**

.....

.....

.....

(l) **शिकार खेलने के कोई तीन कारण लिखिए।**

.....

.....

.....